ये अव्यक्त इशारे

सहजयोगी बनना है तो परमात्म प्यार के अनुभवी बनो

19-08-2025

जैसे कोई सागर में समा जाए तो उस समय सिवाय सागर के और कुछ नज़र नहीं आयेगा। तो बाप अर्थात् सर्वगुणों के सागर में समा जाना, इसको कहा जाता है लवलीन स्थिति। तो बाप में नहीं समाना है, लेकिन बाप की याद में, स्नेह में समा जाना है।

In order to be an easy yogi, be experienced in God's love.

At the time when someone is deep in an ocean, he cannot see anything but the ocean. To become merged in the Father, that is, in the Ocean of all virtues, is known as the stage of being merged in love. So, you don't have to merge in the Father, but be merged in remembrance and love for the Father.